>

Title: Need to review the suggestion of Planning Commission to export beef.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): सभापति महोदय, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय आपके माध्यम से सदन में रखना चाहता हूं। इसका सीधा संबंध देश के जनमानस की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। योजना आयोग के कार्यकारी समूह उपसमिति द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजना में गौ मांस निर्यात की भीषण योजना बनाने का प्रयास किया जा रहा है जबकि गाय हमारी धार्मिक संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है। आज इस अंग को हमारी संस्कृति से काटने का बड़े पैमाने पर षडयंत्र हो रहा है। वर्तमान समय में कृत्रिम साधनों और रसायनों को महत्व दिया जा रहा है जिस कारण आज विश्व के सभी देश प्रदूषण के शिकार हो रहे हैं। संसार का पहला ज्ञान ग्रंथ वेद है जिसमें गावा विश्वस्य मातर कहकर उसकी महिमा गाई हुई है। मां के बाद किसी के दूध की महिमा है तो वह गाय का ही दूध है। गाय सभी को पोषण देती है, किसी को विकृति नहीं देती है। गौ वंश संरक्षण का न केवल एक धार्मिक पक्ष है बल्कि यह आर्थिक सामाजिक कारणों से भी लाभदायक है। हमें इसकी रक्षा के लिए सतर्क हो जाना चाहिए। गोधन कृषि प्रधान भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार है। इससे हम स्वावलंबी बन सकते हैं। चौरासी लाख योनियों के प्रसंगों में गाय ही एक ऐसा प्राणी है जिसका गोबर रोगाणुनाशक और कीटनाशक है। इटली के वैज्ञानिक प्र.जी.ई. बीगेड ने अनेक प्रयोग कर यह सिद्ध कर दिया है कि गाय के ताजे गोबर से तपेदिक तथा मलेरिया के रोगाणु मर जाते हैं। अमेरिका के वैज्ञानिक जेम्स मार्टिन ने गाय के गोबर में खमीर और समुद्र के पानी को मिलाकर एक ऐसा उप्रेरक बनाया है जिसके प्रयोग से बंजर भूमि हरी भरी हो जाती है। भारत में गायों की 32 प्रजातियां थी। गो वध पर समुचित बंधन नहीं लगाए जाने से लगभग 24 प्रजातियां खत्म हो गई हैं। कभी 116 करोड़ गाय हमारे देश में थी और आज सिर्फ 20 करोड़ ही बची हैं। गांवों में हर किसान के घर गाय के साथ चार-पांच जोड़ी बैल हुआ करते थे किंतु आज गाय के साथ बैल बिल्कुल खत्म हो गए हैं। योजना आयोग की उपसमिति के गौ मांस निर्यात के सुझाव को अगर मान लिया गया तो दो वर्ष में ही देश का गौ वंश खत्म हो जाएगा जो देश में सुनामी भूकंप जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं को जन्म देगा।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि योजना आयोग की इस समिति के गौ मांस निर्यात के सुझाव को पूरी तरह अमान्य कर देना चाहिए।

सभापति महोदय: श्री वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए मुद्दे के साथ

श्री महेन्द्र सिंह चौहान,

डॉ. किरीट पी. सोलंकी,

श्री अर्जुन मेघवाल,

श्री विष्णु पद राय और

श्री निखिल कुमार चौधरी को संबद्ध किया जाता है।